संवाद

शिक्षा व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्व को विकसित करने वाली प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया उसे समाज में सामाजिक जीवन जीने योग्य बनाती है तथा समाज का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल उपलब्ध कराती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी चरणों में अनुभव आधारित शिक्षा पर बल देने की बात कही गई है। कला और खेल को सभी विषयों के साथ जोड़ने तथा वित्तीय साक्षरता को कौशल के रूप में विकसित करने की बात कही गई है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाती है। प्रस्तुत अंक में कुल अठारह लेख, दो कविता, दो बालमन तथा विशेष शामिल किए गए हैं।

बैंक नोट या मुद्रा के ज्ञान से विद्यार्थियों में वित्तीय ज्ञान बढ़ाया जा सकता है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के अनुसार, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए खिलौना आधारित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। अपने आस-पास के परिवेश से जुड़े खिलौने और खेल बच्चों की अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालय स्तर पर शिक्षा व्यवस्था के लिए *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* द्वारा समावेशी शिक्षा से संबंधित सुझावों को लागू करके विद्यालयी शिक्षा में सुधार किया जा सकता है। दिव्यांग बच्चों की प्रगति और समग्र राष्ट्र के विकास के लिए एक मापदंड होना चाहिए। अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए समाज में शिक्षा की जड़ें मजबूत करना आवश्यक है। चुनौतियों को दूर कर प्राथमिक शिक्षा को मजबूत बनाना आवश्यक है। स्कूलों के बुनियादी ढाँचे, स्टाफ, बेहतर शिक्षण माहौल के साथ-साथ मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करके ही प्राथमिक शिक्षा अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त कर सकती है। मिश्रित शिक्षा शिक्षकों, प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने पर बल देती है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से बच्चे स्वेच्छा से अपनी गति के अनुसार सीख सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने बुनियादी स्तर की शिक्षा को रोचक बनाने का हर संभव प्रयास किया है। इसमें बुनियादी स्तर पर मातृभाषा के माध्यम से ही शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया गया है। शिक्षा

में अधिक लचीलेपन के साथ भारतीय भाषाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कक्षा में बच्चों से संवाद, शिक्षण के लिए एक प्रभावी उपकरण हो सकता है। प्रभावी शिक्षण के लिए कक्षा में चर्चा का उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि बच्चे सुनकर समझें और चिंतन करें तथा अपनी बातें दूसरों के समक्ष रखें। कक्षा-कक्ष में संवाद को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है।

प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान शैक्षिक अवसर प्रदान किए जाएँ तथा ज्ञान, कौशल, विकास और आत्मविश्वास के साथ उनका दृष्टिकोण विकसित किया जाए। शिक्षा की पहुँच, सामर्थ्य, गुणवत्ता एवं जवाबदेही पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। प्राथमिक शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं, साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हैं। कौशल विकास के लिए प्राथमिक शिक्षकों को समय पर प्रशिक्षित करना आवश्यक है। विद्यार्थियों में मिलकर काम करने की भावना विकसित करना आवश्यक है। स्कूलों में बाल संसद जैसी गतिविधियाँ होने के कारण विद्यार्थियों के सक्रिय और निरंतर विकास में सहायता मिलती है। शिक्षण प्रणाली को सक्रिय रखना शिक्षकों का ही दायित्व है। यह कक्षा में मनोरंजक और इंटरैक्टिव गतिविधियों को बढ़ाता है। वैदिक शिक्षा से विद्यार्थियों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, नैतिक, धार्मिक तथा आध्यात्मिक गुणों का विकास होता था। विद्यार्थियों के बीच मूल्यों को संरक्षित करने के लिए वर्तमान शैक्षिक प्रणाली में वैदिक मूल्यों को फिर से स्थापित करने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी का मानना था कि केवल शिक्षा ही लोगों की क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। इसके लिए स्कूल में पढ़ाए जाने वाले पाठों में उनके आदर्शों, विश्वासों और मूल्यों को सम्मिलित करना आवश्यक है।

शिक्षक द्वारा चुनी गई शिक्षण पद्धति शिक्षकों के सामर्थ्य, बच्चों की क्षमता, उपलब्ध समय, संसाधन, विद्यार्थियों की संख्या और विषयवस्तु की प्रकृति पर निर्भर करती है। वे शिक्षण विधियाँ सर्वोत्तम हैं, जिनके द्वारा शिक्षार्थी सभी इंद्रियों के साथ कक्षा में सक्रिय रूप से शामिल होता है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम खुल रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बुद्धिमत्ता को विकसित करना है और उन्हें नए और सुगम तरीके से सीखने का मौका देना है।

प्रस्तुत अंक में इन्हीं मुद्दों पर लेख सम्मिलित किए गए हैं। पत्रिका में 'विशेष' के अंतर्गत कक्षा 2 की नई पुस्तक 'आनंदमय गणित' से परिचित करवाया गया है। आशा है कि यह अंक आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। पत्रिका के संबंध में आपके विचार व सुझाव सादर आमंत्रित हैं। हम अपने आगामी अंक में उन्हें शामिल करने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

अकादमिक संपादक